अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल-मई 2023

परीक्षा का नाम : विशारद पूर्ण (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : कथ्थक

दि. 23/04/2023 समय : 3 घंटे (दोपहर 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिर्वार्य है ।
2) बाकी प्रश्नों मे से चार प्रश्न हल करे ।
3) सभी प्रश्नों के गुण समान है ।

प्रश्न 1 लिपिबद्ध करें। (कोई तीन) (5X3=15)

1) मत्त ताल में चक्रदार तोडा।
2) ताल छोटी सवारी मैं तिपल्ली।
3) ताल रास मे फरमाईशी परन।
4) मत्त ताल में परमेलु।
5) झपताल में कवित्त।

प्रश्न 2 रिक्त स्थानों की पूर्ती करें। (1X15=15)

1) महाराज कृष्णकुमार ---------- घराने के नर्तक है।
2) ताल रास में खाली ---------- है।
3) नेपथ्य, स्लाईडस् यह ---------- का हिस्सा है।
4) नृसिंह अवतार में श्री विष्णू जी ने ---------- राक्षस का वध किया था।
5) चलन ये ---------- एक प्रकार है।
6) कवित्त कथक नृत्य के ---------- भाग में प्रस्तुत होता है।
7) ठुमरी के एक ही पंक्ती पर ---------- भाव दिखाए जाते है।
8) वंदना और स्तुती से ---------- रस का अविष्कार होता है।
9) ताल मत्त ---------- जाती का ताल है।
10) दोनो हाथ से मुष्टि हस्त बनाना ---------- अवतार है।
11) यति के ---------- भेद है।

12) -------- ठुमरी अधिकतम त्रिताल में मध्यलयमें गाई जाती है।

13) साहित्य कला ---------- कला है।

14) धर्मी के ---------- और ---------- प्रकार है।

15) कुचिपुडी ---------- प्रदेश का शास्त्रीय नृत्यप्रकार है।

प्रश्न 3 जीवनीया लिखें। (8+7=15)

1) गुरु सुंदरप्रसाद

2) गुरु मोहनराव कल्याणपूरकर

प्रश्न 4 विस्तृत जानकारी लिखें। (8+7=15)

1) कथक नृत्य में ठुमरी का स्थान।

2) पौराणिक साहित्य में नृत्य कें संदर्भ।

प्रश्न 5 टिप्पणी लिखें। (5X3=15)

1) कथक नृत्य में कवित्त का स्थान।

2) ललित कलाओं का नृत्य से संबंध।

3) कथक नृत्य की प्रस्तुती के लिए कौनसे आधुनिक तकनिकों उपयोग होता है?

प्र. 6 कथक नृत्य का गायन, वादन इन दो ललित कलाओं से संबंध स्पष्ट करे। (15)

प्र. 7 1) फमाईशी और कमाली परण में फर्क सोदाहरण स्पष्ट करे। (5X3=15)

2) अभिनय दर्पनानुसार दशावतार की मुद्राए।

3) कथक नृत्य में तबले की साथ संगत।